

908 146

12 3 1996 न 6 हकीकत नगीनावाड़ी

146

908

(सिद्धिपत्र)

12/3/96

BH-806

हकीकत

नगीनावाड़ी 5/1996

मितिपत्रावकाश क्रि. 1 5/1996 से

आषाढ़ सुद 15 5/1996 तक

(महाराणा श्री भोपाल

सिंह जी) 146

पुष्पमसावनसु ६४ गुरे तारी रव २०.७.५६ दुईसवी  
वर्ष

सेतकरवापदारा

बावडी हला के मार वाडवाला रे मा मा ल मे ला डू गार सी ह  
जी न ल र मे ग मी ह जी प गे ला गा।

रुकी ए न ड को के व ई को ए जी र मो र न ल ल र हा जी र हु को न जर क  
री सो मा फ फ र मा डू नो छाप ल करी।

प्रवाले श्री जी ह जूर न प्र पो जी हो नी तर का हर स  
कर दा मा दा न कर दे ह कार ज कर पो सा क धा न  
हु ई प छे स लो कारी की ता ष मु ला र जा कर चा न प्र  
रोगा मा न ले वी राजा वा ह जी म ए न प्र रोगा प छे

Haqiqat Bahida (Daily Diary) Nagina Badi Samwat 1996 (1939 CE)

(MMRI Code: BH 806)

Page No. 16

First Shravan light half moon 4, Thursday, Samwat 1996 dated 20.7.1939.

He went for a drive.

From Bawdi region of Marwarwala family Dungar Singh son of Meg Singh came and offered his respects.

**Agent of Ruby and Co. Bombay Mohan Lal came to meet,** made offering which was excused, did Nachrawal. In the morning Shriji Hazur woke up and did 'darshan' of Gods and Goddesses pictures and did 'Chaya Daan'. After ablutions he changed into day clothes and saw the book of Vedic Verses and had a cup of Tea. After this he sat down for morning prayers. Then he had morning meal (Breakfast), he rested.

तामजासवार वेगले सडों ही वे पी पंती गारपें  
 दारकी स्त्री सवार वे जगनी वास पंदार तामजा  
 सवार वे परलगे पंदार वी राजा. पछे माली  
 हुवो. उपरजग मालु महुई. वाद सुरव फर मा मो. दो  
 हेरा मे उपचो ही हो वी राजा. जी म ए उपरोगा वाद  
 मो हे क मे र वास को काम हुवो. वाद वी राजा. रमा.  
 तीजा पोहरा का आवडी इति के मार वाड. वा लंगरे  
 नामान मे ला डू गार सी र जी व ल द मे ग सी र जी को  
 लागां न जार करी. वाद हु वी ए न को व व ई को  
 ए ज र मो ह न ला ल हा जी र हुवो. न जार करी सो.  
 मा फ फर माई. तो छाय ल करी. पछे सी ल व करग  
 मा वाद सा म की पो सा म धार ता हुई.

के स र्प गो छो मो छो	उपरार वी स फेद
कोर मुरव माली	जा ऐ जा मो कनी

पछे वडी ऐ क सरी धार ठा कर सा ड. पा न्य व जा ता  
 मजा म जगनी वास मु सवार वे गार पर पदार-  
 की स्त्री सवार वे वी सी गार पदार तामजा सवा  
 र वे मोर पास धार मो र सवार वे स मोर वाग  
 मे वे मुरज पो ल वे फार सी हा कु स वे योगान पा  
 स वे मुरज पो ल वे वाग मे वे पा ग जारी हत नी  
 पदार तामजा सवार वे पी त मनी वास मे सा  
 ड. पछे वजा पदार वी राजा. जोगे का मुजरा हु वा.  
 वाद वी दो व सा हुवो. जी म ए मा ऐ उपरोगा व

द सुरव फर मा मो. श्री व डारानी जी सा व पदा

Haqiqat Bahida (Daily Diary) Nagina Badi Samwat 1996 (1939 CE)

(MMRI Code: BH 806)

Page No. 17

Went by Tam Jam via Ganesh Deodhi to Pipli Ghat and from there by boat to Jag Niwas and again by Tam Jam to the Royal apartments. After massage attended to some applications and then rested. Later got up to have mid day meal and then attended to 'Mehkama Khas' work.

In the afternoon from Bawdi region of Marwarwala family Dungar Singh son of Meg Singh came and offered Rs. 1/- then **Agent of Ruby and Co., Bombay Mohan Lal** came and made offering which was excused, Nachrawal Rs. 2/- and took leave. He then got dressed in evening attire,

Mothada Pag-----White Angarki

Coat Velvet----- Pyjama Woollen

wearing one line Pachewadi and at 5.30 pm. went in Tam Jam to the Jag Niwas ghat and then by boat to Bansi Ghat **From there by car to Samore Bag, Suraj Pol, Parsi House, returned via Chaugan, Suraj Pol, Bag to Pagda ki Hatni. From there in Tam Jam went to Pitam Niwas by 6.30 pm.** People and staff came to wish as the evening lamps were lit, Japta was made for Zenana ladies, Bada Rani Saheb came and had dinner.